खबर संक्षेप

संक्रमण रोकने चलाया जा रहा फॉगिंग अभियान

कटनी। बदलते मौसम एवं बढ़ती उमस के बीच मच्छरजनित बीमारियों की आशंका को देखते हुए नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर के नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्रों में व्यापक फागिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निगम की टीम विभिन्न वार्डों, गलियों एवं घनी आबादी वाले क्षेत्रों में नियमित रूप से पहुंचकर फागिंग कार्य कर रही है, जिससे मच्छरों के प्रकोप पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा नगरीय क्षेत्र के बरसा मुण्डा वार्ड एवं चन्द्र शेखर आजाद वार्ड के विभिन्न मार्गों सहित जलभराव वाले क्षेत्रों के पास सहित उपनगरीय क्षेत्र माधव नगर के संत कंवरराम वार्ड एवं महाराणा प्रताप वार्ड की मानसरोवर कॉलोनी, खैबर लाइन, रॉबर्ट लाइन सहित विभिन्न मुख्य एवं अन्य मार्ग में फागिंग अभियान चलाया गया। निगम प्रशासन द्वारा विशेष रूप से घनी बस्तियों में फॉगिंग कराई जा रही है, जहां मच्छरों की अधिकता की संभावना बनी रहती है। अभियान के माध्यम से मच्छर जनित बीमारियों के प्रसार को रोकने की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

पेयजल समस्या का निराकरण कर लीकेज किया सुधार

कटनी। नगर वासियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुचारू पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम कटनी द्वारा नगर की जल प्रदाय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। निगम प्रशासन के निर्देशानुसार शहर के विभिन्न वार्डों एवं मोहल्लों में विशेष पाइप लाइन लीकेज सुधार अभियान चलाकर जल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। नगर निगम के जलप्रदाय अमले द्वारा कई स्थानों पर लंबे समय से हो रहे पाइपलाइन रिसाव को प्राथमिकता के आधार पर सुधारते हुए जल अपव्यय रोकने तथा नागरिकों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की गई। अभियान के तहत क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को दुरुस्त कर जल प्रवाह को पुनः सामान्य किया जा रहा है। जल प्रदाय शाखा द्वारा बताया गया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए तकनीकी टीमों को मौके पर भेजा जाकर आवश्यक सुधार कार्य कर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाने की दिशा में प्राथमिकता से कार्यवाही की जा रही है। साथ ही भविष्य में जल रिसाव की समस्या कम हो सके इसके लिए पाइपलाइन नेटवर्क की सतत मॉनिटरिंग भी की जा रही है। नगर निगम कटनी की प्राथमिकता है कि प्रत्येक नागरिक तक स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल समय पर पहुंचे तथा जल की एक-एक बूंद का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। इसी उद्देश्य के साथ निगम प्रशासन द्वारा लीकेज मुक्त जल प्रदाय व्यवस्था विकसित करने और नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु अभियान लगातार संचालित किए जा रहे हैं।

सड़क निर्माण में खामियां मिलने पर जताई नाराजगी

कटनी। मसुरहा वार्ड एवं जालपा देवी वार्ड में निर्मित सीसी रोड की गुणवत्ता को लेकर नागरिकों द्वारा की गई शिकायतों के बाद नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक ने निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्य में अनियमितताएं मिलने पर नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि निर्माण एजेंसी ने सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों को सुधारने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। सड़क को तकनीकी मानकों एवं निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप पुनः तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। निगम अध्यक्ष ने मौके पर मौजूद एजेंसी के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि सुधार कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा किया जाए। मनीष पाठक ने कहा कि जनता के कर से किए जाने वाले विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सर्वोपरि है तथा कोई अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी।

शिकायतों के बाद भी नहीं हो रही कार्यवाही, प्रशासन एवं पुलिस के दावे हवा हवाई

ठेकेदारों और अधिकारियों का गठजोड़ हाइवे किनारे एवं गांव में चल रही पैकारियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरूद्ध विशेष अभियान चलाये जाने के दावे भले ही प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा किये जा रहे हैं बावजूद इसके गांवों एवं हाईवे के किनारे बकायदे पैकारियों का संचालन हो रहा है। नेशनल हाइवे में विलायतकला के पास मुख्य मार्ग के किनारे शराब की अवैध बिक्री की जा रही है। अब सवाल उठता है कि ये पैकारियां किसकी सर परस्ती में चल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी पैकारी पर कार्यवाही नहीं किया जाना संरक्षण दिये जाने का इशारा कर रही है।

कई बार की गई शिकायत

ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधि एवं तहसीलदार को भी कई बार अवैध पैकारियों को बंद करवाने के विषय मे लिखित ज्ञापन दिया गया है मगर इस ओर किसी के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश अनुसार हाईवे से 500 मीटर की दूरी के बाहर ही शराब की दुकान खुल सकती है मगर शराब व्यापारियों के वर्चस्व के चलते विलायत कला हाईवे के बगल से शराब दुकान खोल दी गई है जिसमें ग्रामीणों ने भी कई बार विरोध जताया।

जांच टीम को नहीं दिखी पैकारी

ग्रामीणों की शिकायत एवं विरोध पर जांच टीम भी आई मगर उनको हाईवे में दुकान नहीं नजर नही आई और मामला ले दे कर दबा दिया गया। बसाड़ी में नेशनल हाइवे पर खुलेआम अवैध शराब की पैकारी खोल दी गई है जहां पर शराब ठेकेदार द्वारा अपने लोगों के माध्यम के दिन रात अवैध रूप से शराब बिक्रवाई जा रही है। पैकारी में एवम पैकारी के सामने सुराप्रेमीयों के द्वारा खुले आम शराब के जाम छलकाए जाते हैं। बसाडी एनएच पर अवैध रूप से संचालित पैकारी संचालक अपने पैकारी मे ऐसा सिस्टम बनवाया है कि यदि कोई रात में चेक करने जाता है तो पैकारी की पूरी लाइट एक ही बटन से बंद कर दी जाती है।

गांव गांव पहुंचाई जा रही खेप

लायसेंसी दुकानों के ठेकेदारों द्वारा अपने एजेंटों के माध्यम से शराब की खेप गांव गांव तक पहुंचाई जा रही है। बड़वारा क्षेत्र के ग्राम बसाड़ी, देवरी, सलईया, बंदरी , रोहनिया, खरहटा संकरीगढ़, गणेशपुर, कुम्हारवारा , सांधी, नेगवां, गुड़ा कला ,छोटी विलायत, पथवारी, भजिया, भुडंसा,पंसोकर, लोहरवारा नंबर 2,कछारी, बरगवां नम्बर 01 सहित अन्य गांव में अवैध शराब की बिक्री हो रही है।

जन सुनवाई से लेकर एसपी दफ्तर तक पहुंच रहे ग्रामीण

शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ स्थानीय स्तर पर शिकायत के बाद भी नहीं होने से परेशान ग्रामीण कलेक्ट्रेट की जन सुनवाई से लेकर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय तक पहुंच कर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हो रहे हैं। गांव में शराब की अवैध बिक्री जिम्मेदारों की सरपरस्ती में हो रही है या फिर जान बूझकर अनदेखा किया जा रहा है यह जांच का विषय है।

हादसों को रोकने एवं यातायात व्यवस्था दुरूस्त रखने अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने एवं दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस प्रयास किये जा रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहन चालकों से अपील की जा रही है कि वे यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

यातायात थाना प्रभारी अनूप सिंह के नेतृत्व में शहर के प्रमुख मार्गों एवं व्यस्त चौराहों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि नागरिकों को यातायात संबंधी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े तथा सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को न्यूनतम किया जा सके। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अव्यवस्थित एवं नियम विरुद्ध पार्क किए गए वाहनों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है। इसके साथ ही मिशन चौक सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर बैरिकेडिंग कर वाहन चालकों की जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि चालक की छोटी सी लापरवाही न केवल उसके लिए बल्कि अन्य वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसी उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाकर सुरक्षित यातायात के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस ने नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा है कि सुरक्षित यात्रा के लिए यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इससे न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था भी बेहतर होगी।

रविवार को दोपहर बाद बदला मौसम, तूफान से उड़ गये टीन टप्पर

तेज आंधी तूफान के साथ हुई बारिश ने भीषण गर्मी से दिलाई राहत, गिरा पारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रविवार की दोपहर अचानक से मौसम ने करवट ली। तेज आंधी तूफान चलने लगा। हवाएं इतनी तेज थी कि टीन टप्पर उड़ गये। बादलों की तेज गड़गड़ाहट बिजली चमकने के साथ ही बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक मौसम बिगड़ा रहा। हवाओं के चलने से बारिश भी तेज तो कभी धीमी होती रही। बारिश होने के साथ ही भीषण गर्मी से परेशान आमजनों को को काफी हद तक राहत मिली। तापमान में भी गिरावट दर्ज हुई।

बीते कुछ दिनों से भीषण गर्मी का कहर लोगों को झुलसा रहा था लेकिन रविवार को मौसम के करवट बदलते ही चिलचिलाती धूप से काफी राहत मिली। बारिश होने से सड़क किनारे पानी भर गया। रविवार अवकाश होने के चलते शहर में अधिक भीड़ नजर नहीं आई। अधिकाशं दुकाने भी बंद रही।

मौसम अभी पूरी तरह साफ नहीं हुआ जिससे अभी बारिश एवं आंधी तूफान चलने की आशंका बनी हुई है। हालांकि बारिश होने से जायद फसलों को भी लाभ मिलेगा।

मरीजों की बढ़ रही संख्या

मौसम के अचानक से बदल जाने की वजह से मौसमी बीमारियां भी बढ़ रही हैं। कभी चिलचिलाती धूप तो भी आंधी पानी की वजह से सर्द गर्म का शिकार हो रहे हैं। सर्दी जुकाम, हरारत के साथ ही उल्टी दस्त एवं पेट दर्द जैसी समस्याओं से लोग ग्रसित हो रहे हैं। अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है।

बचाव की दी गई है सलाह

मौसम के बार बार बदलने से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिये प्रशासनिक स्तर पर एडवाइजरी भी जारी की जा चुकी है। लोगों को खानपान में संयम बरतने एवं तेज धूप होने पर बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है।

क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को किया गया दुरूस्त

नगर निगम के जलप्रदाय अमले द्वारा कई स्थानों पर लंबे समय से हो रहे पाइपलाइन रिसाव को प्राथमिकता के आधार पर सुधारते हुए जल अपव्यय रोकने तथा नागरिकों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की गई। अभियान के तहत क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को दुरुस्त कर जल प्रवाह को पुनः सामान्य किया जा रहा है। जल प्रदाय शाखा द्वारा बताया गया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए तकनीकी टीमों को मौके पर भेजा जाकर आवश्यक सुधार कार्य कर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाने की दिशा में प्राथमिकता से कार्यवाही की जा रही है। साथ ही भविष्य में जल रिसाव की समस्या कम हो सके इसके लिए पाइपलाइन नेटवर्क की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

शुभि ने बदली परिवार की तकदीर, महिला सशक्तिकरण का पेश किया उदाहरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रीठी विकासखंड की एक साधारण ग्रामीण युवती शुभि सेन ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, शिक्षा और स्वसहायता समूह के सहयोग से न केवल अपने परिवार को आर्थिक तंगी से उबारा, बल्कि समाज के सामने महिला सशक्तिकरण का एक बेहतरीन उदाहरण भी पेश किया है। बी.एस.सी. तक शिक्षित होने के बावजूद शुभि के पास अपनी प्रतिभा को दिखाने का सही मंच नहीं था। ऐसे में उन्होंने ₹शुभि स्वसहायता समूह₹ से जुड़ने का फैसला किया। पिछले 3 वर्षों से समूह से जुड़ी शुभि ने अपनी शिक्षा का सही उपयोग किया और समूह में लेखापाल के रूप में जिम्मेदारी संभाली। खातों की गहरी समझ और पूरी ईमानदारी के साथ काम करने के बदले उन्हें प्रतिमाह 1,500 रूपये का मानदेय मिलता है, जिसने उनके भीतर एक नया आत्मविश्वास जगाया।

अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए शुभि ने समूह से 90 हजार रूपये का ऋण लिया। इस राशि का उपयोग उन्होंने बहुत ही समझदारी से दो मुख्य जगहों पर किया। ऋण के एक हिस्से को खेती-किसानी में लगाकर अपनी आय के स्रोत को बढ़ाया। जबकि शेष राशि से उन्होंने अपने परिवार के गिरवी रखे हुए सोने के जेवर छुड़ाए, जो उनके परिवार के लिए भावनात्मक रूप से बेहद कीमती थे।

शुभि का पूरा परिवार बेहद मेहनती है। उनके पिता एक छोटी सी सैलून चलाते हैं और उनकी माता भी एक अन्य स्व-सहायता समूह से जुड़कर स्कूल में मध्यान्ह भोजन बनाने का कार्य करती हैं।

शुभि के समूह से जुड़ने और कृषि कार्य शुरू करने के बाद, पूरे परिवार की संयुक्त मासिक आय अब 12 हजार से 13 हजार रूपये तक पहुँच गई है। इससे न केवल घर की जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं, बल्कि वे भविष्य के लिए बचत भी कर पा रहे हैं।

शुभि सेन का यह सफर सिर्फ उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि इस बात का जीवंत प्रमाण है कि अगर ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूह जैसा सही मंच और अवसर मिले, तो वे अपने भाग्य को खुद बदल सकती हैं।

ई चेक गेट से हाईटेक निगरानी, बिना नंबर प्लेट वाहनों की होगी जब्ती

खनिज के अवैध परिवहन पर 60 लाख रुपए से अधिक का वसूला गया जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में अवैध खनन, परिवहन और ओवरलोडिंग के विरुद्ध प्रशासन ने कड़ी कार्यवाही किया है।कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दलों द्वारा अवैध खनिज खनन और परिवहनकर्ताओं पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। तभी तो चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 50 से अधिक अवैध खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 60 लाख रुपये से अधिक की जुर्माना राशि शासकीय खजाने में जमा कराई जा चुकी है।

खनिज विभाग के उपसंचालक रत्नेश दीक्षित ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में जिले में 125 प्रकरण दर्ज कर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का अर्थदंड वसूला गया था। इसी कड़ी में इस वर्ष भी कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। प्रशासनिक सख्ती और चौतरफा निगरानी से अवैध खनिज कारोबार में लिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

अब केवल मैन्युअल जांच ही नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से भी अवैध परिवहन पर नजर रखी जा रही है। जिले में संचालित हाई-टेक ई-चेक गेट (E-Check Gate) अवैध परिवहन करने वालों के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ई-चेक गेट से बिना रॉयल्टी एवं नियमों का उल्लंघन कर परिवहन करने वाले 4 वाहनों को चिन्हित किया गया, जिन पर 6 लाख 21 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित कर नोटिस जारी किए गए हैं।

कलेक्टर आशीष तिवारी ने परिवहन विभाग और खनिज विभाग को संयुक्त रूप से प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी है कि बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ने वाले वाहन सीधे तौर पर संदिग्ध माने जाएंगे और ऐसे वाहनों को तत्काल प्रभाव से जब्त किया जाए और विधिसम्मत कार्यवाही की जाय।

कलेक्टर ने अधिकारियो को निर्देशित किया है कि जिले की खनिज संपदा का अवैध दोहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध परिवहन और खनिज चोरी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज नियम एवं परिवहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आने वाले दिनों में खनिज, पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आकस्मिक छापामार कार्रवाई, सघन चेकिंग अभियान और हाई-टेक निगरानी को और तेज किया जाएगा।

तिलक महाविद्यालय में आयोजित हुई समिति की बैठक

उच्च स्तरीय समिति ने विभिन्न वर्गों और पक्षों से संवाद कर लिए सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक रविवार को शासकीय तिलक महाविद्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में समान नागरिक संहिता से जुड़े सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों तथा विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त किये गए। उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता समिति के सदस्य अनूप नायर (कानूनविद) ने किया।

इस अवसर पर सांसद खजुराहो वीडी शर्मा,विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल,कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा,अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर एवं एसडीएम बहोरीबंद प्रदीप कुमार मिश्रा, एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी मौजूद रहे।

उच्च स्तरीय बैठक में सांसद वीडी शर्मा और विधायक संदीप जायसवाल, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी,पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह, समाजसेवी मोहन नागवानी,शिक्षा विद् डा चित्रा प्रभात सहित अन्य समाज,वर्ग के लोगों और जन प्रतिनिधियों , समाजसेवियों आदि ने भी शामिल होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

बैठक में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों, पत्रकारों तथा गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए समिति के अनूप नायर ने समिति गठन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा गठित यह उच्च स्तरीय समिति विवाह, भरण-पोषण, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार तथा अन्य पारिवारिक कानूनों से संबंधित विधिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक पहलुओं का विस्तृत अध्ययन कर समान नागरिक संहिता के संबंध में उपयुक्त अनुशंसाएं प्रस्तुत करेगी।

उच्च स्तरीय जनपरामर्श बैठकों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। समिति द्वारा प्रदेशभर के जिलों में जाकर नागरिकों से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे। आमजन से सुझाव प्राप्त करने के लिए एक विशेष वेबसाइट का निर्माण भी किया गया है। विदित हो कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीते दिनों समान नागरिक संहिता मध्यप्रदेश की वेबसाइट का विमोचन किया है। इस वेबसाइट के माध्यम से नागरिक अपने सुझाव ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे।

बैठक में बताया गया कि समान नागरिक संहिता के संबंध में इच्छुक नागरिक समिति की वेबसाइट ucc.mp.gov.inपर अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं।

बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर राज्यों में इस दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ है।

आदतन अपराधी पर हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष तिवारी ने हीरापुर कौड़िया थाना एनकेजे निवासी अभिषेक उर्फ रमैया पिता रामेश्वीर गौतम 33 वर्ष के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 24 घंटे के भीतर आगामी 5 माह की अवधि के लिए जिले की राजस्वत सीमाओं से बाहर जाने का आदेश पारित किया है। कलेक्टर श्री तिवारी ने जिला बदर की यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर किया है।

अभिषेक एक आदतन अपराधी है। इसके विरुद्ध वर्ष 2013 से अब तक थाना एनकेजे में कुल 15 अपराधिक प्रकरण दर्ज है। जिसमें गाली-गलौज करना, मारपीट करना, जान से मारने की धमकी एवं हत्याल का प्रयास, अवैध उत्खकनन करना, व जातिगत शब्दों से अपमानित कर मारपीट करना जैसे अपराध शामिल है। पुलिस द्वारा अभिषेक के विरूद्ध कई बार वैधानिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां की गई हैं, फिर भी आदतन अपराधी के आचरण व्यावहार में कोई सुधार नहीं हुआ।

आपराधिक गतिविधियां निरंतर जारी रखने, आम जन के लिए आतंक का पर्याय बनने के कारण क्षेत्र में शांति एवं सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़नें वाले प्रतिकूल प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री तिवारी ने आदतन अपराधी अभिषेक उर्फ रमैया को 24 घंटे के भीतर कटनी जिले की राजस्वि सीमाओं तथा समीपवर्ती जबलपुर, मैहर, दमोह, पन्नु एवं उमरिया जिले की राजस्वल सीमाओं से 5 माह की अवधि के लिए बाहर जाने का आदेश पारित किया है।

खबर संक्षेप

चाचा पर चाकू से हमला करने वाला गिरफ्तार

कटनी। एनकेजे थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी को घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पारिवारिक रंजिश के चलते अपने रिश्ते के चाचा पर चाकू से हमला किया था। पुलिस के अनुसार 29 मई की रात घायल भोलू उर्फ भगवानदास जायसवाल को जिला अस्पताल लाया गया। घायल ने बताया कि तिलक कॉलेज क्षेत्र स्थित महामाया कॉलोनी के पास उसकी अपने भतीजे अभिषेक जायसवाल से पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर अभिषेक ने चाकू से उसके पेट में वार कर दिया।घटना की रिपोर्ट पर एनकेजे थाना में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें आरोपी की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अभिषेक जायसवाल 23 वर्ष निवासी महामाया कॉलोनी को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी बरामद कर लिया है।जांच में सामने आया कि आरोपी और घायल के बीच पिछले दो वर्षों से मनमुटाव चल रहा था। इसी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जिला जेल भेज दिया गया।पुलिस कार्रवाई में थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक माह के लिये बंद रहेगा साउथ स्टेशन पहुंच मार्ग

कटनी। एसीसी मार्ग से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री होते हुए कटनी साउथ स्टेशन जाने वाला मार्ग में आज 1 जून से वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा जो 30 जून तक प्रभावित रहेगा। आयुध निर्माणी कटनी के जन-संपर्क कार्यालय द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार क्षेत्र में आरसीसी सड़क निर्माण का कार्य शुरू होने जा रहा है। निर्माण कार्य को सुचारू रूप से चलाने और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग को एक महीने के लिए अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। आयुध निर्माणी इस्टेट के निवासियों, आम जनता और विशेषकर भारी वाहनों के चालकों से अपील की गई है कि वे इस अवधि के दौरान कटनी साउथ स्टेशन आने-जाने के लिए दूसरे वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि निर्माण कार्य पूरा होने पर मार्ग को दोबारा जनता के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा।

किसान अपना पंजीयन फार्मर आईडी बनवाएं

बड़वारा। शासन आदेश के परिपालन में बड़वारा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगवां में 01, .02, 04 एवम 05 जून 2026 को आयोजित होने वाले विशेष शिविर में बी-1वाचन पीएम किसान योजना के छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का पंजीयन तथा फार्मर आईडी निर्माण का कार्य किया जाएगा किसानों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने आवश्यक दस्तावेज (आधार कार्ड, समग्र आईडी, मोबाइल नंबर, बैंक पासबुक एवं भूमि संबंधी दस्तावेज सहित ग्राम पंचायत मझगवां में उपस्थित होकर अपना कार्य पूर्ण करवाएं। पीएम किसान योजना हेतु ई केवाईसी तथा पात्रता सत्यापन भी आवश्यक है।आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, समग्र आईडी, बैंक पासबुक की फोटो कॉपी, भूमि खसरा संबंधित दस्तावेज।नोट- जिन पात्र किसानों के पीएम किसान सम्मान पंजीयन अथवा फार्मर आईडी अभी तक नहीं बनी है वे अनिवार्य रूप से शिविर में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करवा लें ताकि किसी भी प्रकार की शासकीय योजना का लाभ प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाए।

अलग अलग कारणों से दो व्यक्तियों की मौत

कटनी। ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम कछार निवासी 22 वर्षीय युवक सुखदास ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। इसी तरह ग्राम बड़कुर निवासी 45 वर्षीय मोले सिंह की ग्राम हल्का में पानी में डूबने से मौत हो गई।

हजारों कदम एक साथ चले, एक सुर में बोला कटनी - स्वच्छ रखेंगे' -'स्वस्थ रहेंगे

फिटनेस के साथ स्वच्छता के लिये दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रविवार की सुबह डन कॉलोनी की सड़कें जब वाहनों से मुक्त हुईं तो वहां सिर्फ इंसान नहीं उतरे, उतरा पूरे शहर का जज्बा। मौका था नगर पालिक निगम कटनी द्वारा आयोजित 'राहगीरी डे' कैंपेन 2026 के आठवें संस्करण का, जिसने स्वच्छता नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण की संकल्पना को सड़क पर उतार कर दिखा दिया। मदन मोहन चौबे वार्ड में आयोजित इस भव्य आयोजन ने साबित कर दिया कि जब नागरिक ठान लें तो शहर की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल जाती है।

कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार, विभिन्न समाजसेवी संगठन, योग ग्रुप, कटनी एक्सरसाइज ग्रुप, गणमान्य नागरिक सहित काफी संख्या में डन कॉलोनी निवासी, छात्र, छात्राएं, युवा, महिला, बुजुर्ग आदि की मौजूदगी रही।

प्रातः7 बजते ही डन कॉलोनी का मुख्य मार्ग 'नो व्हीकल जोन' में तब्दील होते ही उत्साह के रंग में रंग गया। जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों, महिलाओं, युवाओं, बच्चों एवं वरिष्ठजनों की उत्साहपूर्ण मौजूदगी ने

आयोजन को महोत्सव का रूप दे दिया। नागरिकों ने सपरिवार पहुंचकर स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

योग से जुंबा तक दिखा उत्साह

कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योग सत्र से हुआ, जहां सैकड़ों नागरिकों ने एक साथ सूर्य नमस्कार कर शरीर और मन के संतुलन का संदेश दिया। इसके बाद साइकिल रैली में युवाओं की टोली 'एक्टिव कटनी, फिट कटनी' के नारों के साथ निकली तो स्केटिंग ट्रैक पर नन्हे बच्चों ने करतब दिखाकर सबका दिल जीत लिया। रस्साकशी, नींबू-चम्मच दौड़, कुर्सी दौड़ जैसी पारंपरिक खेल कैरम, पिट्ठू, शतरंज, पिट्ठू, सांप सीढ़ी, में बुजुर्गों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर साबित किया कि फिटनेस की कोई उम्र नहीं होती। वही स्वच्छता पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने भी एक से बढ़कर एक कलाकृति उकेरी।

महापौर ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

राहगीरी डे केवल पसीना बहाने का मंच नहीं था, बल्कि सोच बदलने की प्रयोगशाला भी बना। कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। जबकि निगम की आई ई सी टीम द्वारा 'फोर बिन सिस्टम' के लाइव डेमो स्टॉल पर निगम कर्मियों ने गीला, सूखा, सेनेटरी एवं हानिकारक कचरे को अलग-अलग कर दिखाया और बताया कि 'कचरे का सही निपटान घर से ही शुरू होता है'। नुक्कड़ नाटक 'पॉलिथीन छोड़ो, पर्यावरण जोड़ो' ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों को इतने मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया कि कई नागरिकों ने मौके पर ही कपड़े के थैले उपयोग करने का संकल्प लिया। बच्चों द्वारा बनाई गई रंगोलियों में 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2026' और 'गार्बेज फ्री सिटी' के संदेशो ने सभी का ध्यान खींचा।

नशा मुक्ति का दिया गया संदेश

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय विभाग द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू छोड़ो जीवन से नाता जोड़ो का संदेश दिया। वहीं गायत्री परिवार की टीम ने गीत एवं रैली के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया। जादूगर एम कुमार ने जादू के एक से बढ़कर एक करतब दिखाकर उपस्थित जनों से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के संकल्प दिया। निगम प्रशासन ने कहा कि ₹आपका एक घंटा का समय, आपके शहर को 24 घंटे स्वच्छ और स्वस्थ रखने की ताकत देता है। आज जो संकल्प लिए गए हैं, उन्हें यदि हम अपनी दिनचर्या में उतार लें, तो 'विकसित और आदर्श कटनी' का सपना दूर नहीं।

संस्कृत भाषा नहीं, भारतीय ज्ञान, संस्कृति और सभ्यता की धरोहर

कटनी। संस्कृत भारती मध्य क्षेत्रम द्वारा क्षेत्र प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन आधारकाप स्थित कटनी डिग्री कॉलेज में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति के अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों ने वीणावादिनी मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यापण करते हुए दीप प्रज्जवलन किया। इसके उपरांत आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मंचासीन अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत किया। मुख्य अतिथि अशोक विश्वकर्मा ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, संस्कृति और सभ्यता की अमूल्य धरोहर है। हम सभी का दायित्व है कि इस गौरवशाली विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सम्मिलित होकर संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं जन-जन तक इसके प्रचार-प्रसार के लिए किए जा रहे प्रयासों को निकट से जानने का अवसर मिला। इस सफल आयोजन के लिए संस्कृत भारती परिवार एवं सभी आयोजकों को शुभकामनाएं दी।

अचानक लापता हो गये भाई-बहन, पुलिस ने ढूंढ निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत महात्मा गांधी वार्ड में दो सगे भाई-बहन अचानक लापता हो गए। बच्चों के गायब होने से माता-पिता तुरंत कोतवाली थाने पहुंचे। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल सर्च ऑपरेशन शुरू किया और महज दो घंटे के भीतर दोनों बच्चों को सुरक्षित ढूंढ निकाला। बच्चे अपने ही घर के पास एक खाली कमरे में रैक के पीछे सोए हुए मिले।

जानकारी के अनुसार, महात्मा गांधी वार्ड निवासी व्यक्ति कोतवाली थाने पहुंचा एवं पुलिस को बताया कि उनका 8 वर्षीय बेटा और 6 वर्षीय बेटी पिछले दो घंटे से घर के बाहर खेलते समय अचानक गायब हो गए हैं। परिजनों ने अपने स्तर पर पूरे मोहल्ले, स्थानीय बाजार और रेलवे स्टेशन तक खाक

छानी, लेकिन बच्चों का कहीं पता नहीं चला। बच्चों की मां का रो-रोकर बुरा हाल था।

नाबालिग बच्चों की गुमशुदगी की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने मामले को प्राथमिकता पर लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी के निर्देशानुसार कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय ने तुरंत एक विशेष टीम गठित की। सहायक उपनिरीक्षक प्रहलाद पैकरा और पुलिस स्टाफ को मौका मुआयना करने और क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे खंगालने के लिए परिजनों के साथ रवाना किया गया।

पुलिस टीम जब प्रार्थी के घर के आसपास सघन पूछताछ और जांच कर रही थी, तभी घर के ही पास बने एक खाली कमरे पर टीम की नजर गई। कमरे के भीतर सामान रखने वाली एक रैक पर पर्दा लगा हुआ था। जैसे ही पुलिस ने उस पर्दे को हटाया, वहां का नजारा देख सबकी जान में जान आई। दोनों मासूम बच्चे वहां चैन की नींद सो रहे थे।

जब पुलिस ने बच्चों को जगाकर उनसे पूछताछ की, तो बेहद हैरान करने वाली वजह सामने आई। बच्चों ने बताया कि वे घर का पुराना मोबाइल लेकर घरवालों से छुपकर गेम खेलने के लिए उस खाली कमरे में आए थे। रैक के पीछे बैठकर गेम खेलते-खेलते कब उनकी आंख लग गई, उन्हें पता ही नहीं चला। दोनों बच्चों को सकुशल पाकर परिजनों की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। सोनकर परिवार और स्थानीय नागरिकों ने कटनी पुलिस की इस संवेदनशीलता, त्वरित सूझबूझ और तत्परता के लिए कोतवाली पुलिस का सहृदय आभार व्यक्त किया है।

इस ऑपरेशन में थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय, सउनि प्रहलाद पैकरा, प्रधान आरक्षक उमेश सिंह, आरक्षक दिनेश सेन, मोहन मण्डलोई, अजीत सिंह, रोहित राठौर, महिला आरक्षक अनामिका तिवारी और एनआरएस निधि चौरसिया की भूमिका रही।

राष्ट्र निर्माण के संदेश को आत्मसात करने लिया संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड को जिले में नवाचार के साथ बूथ स्तर पर किसानों एवं आमजन के साथ सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम को लेकर जिलेभर के सभी मंडलों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा विशेष रूप से कटनी पहुंचे। उन्होंने बहोरीबंद विधानसभा के कुआं मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत राखी मेढ़े के बूथ क्रमांक 207 पर अन्नदाता किसानों के साथ बैठकर कार्यक्रम सुना। कार्यक्रम के पश्चात सांसद ने किसान बंधुओं का सम्मान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को प्रेरणा देने वाला संवाद है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जनभागीदारी को सशक्त बनाता है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, विधायक प्रणय पांडे, जिला उपाध्यक्ष सतीश नायक, मंडल महामंत्री आकाश नायक, बूथ अध्यक्ष आनंद हल्दकार तथा बूथ स्तर पर 'मन की बात' के प्रभारी महेंद्र हल्दकार सहित बड़ी संख्या में किसान बंधु एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिलेभर के सभी मंडलों में किसानों एवं आमजन ने प्रधानमंत्री की बातों को गंभीरता और उत्साहपूर्वक सुना। कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण, जनभागीदारी, नवाचार एवं राष्ट्र निर्माण के संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

रैली व नुक्कड़ नाटक से दिया नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर कटनी जिले में नशामुक्ति के प्रति जन-जागरूकता का सशक्त प्रयास किया गया। इसी श्रृंखला में कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा परामर्शदाता श्रीमती संयोगिता मिश्रा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की छात्राओं ने ग्राम गनियारी में जागरूकता अभियान चलाया।

छात्राओं ने गांव की दीवारों पर नशामुक्ति के प्रेरक स्लोगन लिखे, जागरूकता रैली निकाली तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू व नशे के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

विदित हो कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा मानव मूल्यों से जुड़े सभी विषयों पर आम जन को जागरूकता करने के प्रयास निरंतर किया जा रहे हैं।इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर तंबाकू और तंबाकू से बने पदार्थों के दुष्परिणाम समाज तक पहुंचाने के लिए यह अभियान चलाया गया। जिससे देश का भविष्य युवा पीढ़ी जागरूक होकर नशे से दूर रह सके। ग्रामीणों ने जन अभियान परिषद के माध्यम से छात्राओं द्वारा किए गए इस प्रयास की सराहना की और नशा न करने का संकल्प लिया। इस आयोजन में मुख्यमंत्री समुदायिकता क्षमता विकास कार्यक्रम में अध्यनरत छात्र-छात्राएं कृष्णा, सान्या पांडेय, रामजी मिश्रा आदि शामिल रहीं।

जल गंगा संवर्धन अभियान में कटनी प्रदेश के अग्रणी चार जिलों में शामिल

3200 से अधिक जल संरचनाएं हुईं जीवंत, बदल रहा गांवों का परिदृश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में जल स्तर को सुधारने और पारंपरिक जल स्त्रोतों को सहेजने के लिए चलाया जा रहा 'जल गंगा संवर्धन अभियान 2026' मे जिले ने उत्कृष्ट कार्य किया है। बलराम तालाब की श्रेणी में जल गंगा संवर्धन अभियान के मामले में कटनी प्रदेश के 4 अग्रणी जिलों में शामिल है। जिला प्रशासन और ग्रामीणों के साझा प्रयासों से अब तक जिले में 3,284 जल संरक्षण संबंधी कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए जा चुके हैं, जिससे पानी को सहेजने और उसके संरक्षण व संवर्धन में मदद मिलेगी।

जिले के ग्रामीण अंचलों में इन दिनों तालाबों का गहरीकरण, कुओं का पुनर्जीवन, खेत तालाब निर्माण,

कूप पुनर्भरण और वाटरशेड विकास जैसे कार्य तेजी से जारी हैं। वर्षों से उपेक्षित पड़ी जल संरचनाएं अब फिर से जीवनदायिनी बनने की ओर अग्रसर हैं। जल स्त्रोतों की साफ-सफाई,अतिक्रमण हटाने और वृक्षारोपण जैसे प्रयास पर्यावरण संरक्षण को भी नई मजबूती दे रहे हैं।

अभियान के तहत भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए अब तक जिले भर में 1,310 डगवेल रिचार्ज (कूप पुनर्भरण) करने का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसी प्रकार सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 1,074 नए खेत तालाबों का निर्माण हो चुका है। खेतों तक पानी की सुचारू पहुंच के लिए 226 सिंचाई अधोसंरचना से जुड़ी परियोजनायें पूरी की गई हैं। जल संकट से निपटने के लिए 256 विशेष जल संरक्षण संरचनाएं तैयार की गई हैं।

ये संरचनायें बनीं

अभियान के तहत अब तक 1 अमृत सरोवर बन कर तैयार है, साथ ही 59 वॉटर स्ट्रक्चर्स की मरम्मत और 39 जगहों पर गैप फिलिंग प्लांटेशन का कार्य भी पूर्ण किया गया है। जल संवर्धन के साथ-साथ ग्रामीण विकास को गति देने के लिए 259 वाटरशेड संबंधी कार्य और मनरेगा व अन्य योजनाओं के समन्वय से 60 अतिरिक्त विकास कार्य भी पूर्णता की सूची में शामिल हो चुके हैं। कलेक्टर आशीष तिवारी के कुशल मार्गदर्शन एवं समय-सीमा की बैठकों में सतत समीक्षा की वजह से ही यह अभियान अब सिर्फ एक प्रशासनिक लक्ष्य न रहकर आमजन की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। मॉनिटरिंग और मैदानी स्तर पर अधिकारियों-ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के आपसी तालमेल से जिले ने यह मुकाम हासिल किया है।

ग्राम घुघरा में नियमित जलापूर्ति से दूर हुई परेशानी

संभाग समन्वयक ने श्रमदान कर जल संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विकासखंड ढीमरखेड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदी के ग्राम डुंडी में जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत चोपड़ा कुआं पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुएं की साफ-सफाई करते हुए आस-पास उगी झाड़ियों को काटकर हटाया गया तथा सीढ़ियों में फैले कचरे की सफाई की गई। साथ ही कुएं में जमा प्लास्टिक, पॉलिथीन एवं अन्य कचरे को बोरियों में भरकर श्रमदान के माध्यम से बाहर निकाला गया।

इस अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक रवि वर्मन द्वारा प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं, परामर्शदाताओं एवं छात्रों का परिचय प्राप्त कर जल संरक्षण के

अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। उन्होंने ग्रामीणों को "3 पी" — जल, पौधे एवं पॉलिथीन मुक्ति के विषयों पर जागरूक करते हुए इन क्षेत्रों में निरंतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

संभाग समन्वयक द्वारा समिति के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए ग्राम बोर्ड एवं जल संरक्षण से संबंधित दीवार लेखन कार्यों का स्थल निरीक्षण भी किया गया।

नियमित हो रही जलापूर्ति

ढीमरखेड़ा विकासखंड के ग्राम घुघरा में जल जीवन मिशन के तहत संचालित पेयजल योजना से नियमित जलापूर्ति हो रही है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री पवनसुत गुप्ता ने बताया कि योजना के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तारीकरण, 236 घरेलू नल कनेक्शन, सम्पवेल एवं ओवरहेड टैंक निर्माण सहित सभी स्वीकृत कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए हैं। कार्य पूर्ण होने के बाद योजना को ग्राम पंचायत के सुपुर्द कर दिया गया है, जिससे इसके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित हो गई है। वर्तमान में योजना के दो नलकूपों के माध्यम से ग्रामवासियों को नियमित और सुचारु रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को घर-घर स्वच्छ पेयजल मिलने लगा है।

ग्राम में वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था को भी मजबूत बनाए रखा गया है। इसके तहत कुल 8 हैंडपंप स्थापित हैं, जिनमें से 5 हैंडपंप वर्तमान में चालू अवस्था में हैं। हालांकि भू-जल स्तर में कमी के कारण 3 हैंडपंप बंद हैं तथा चालू हैंडपंपों में से 2 में जलस्तर कम होने के कारण पानी सीमित मात्रा में उपलब्ध हो रहा है।

एक माह तक चले समर कैम्प में बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने का किया प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

सिविल लाइन स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की राजयोग केंद्र संचालिका बीके लक्ष्मी बहन के मार्गदर्शन और बीके प्रियंका बहन वैष्णवी बहन के नेतृत्व मे गायत्री नगर स्थित गीता पाठशाला में तीस दिवसीय समर कैंप का समापन कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए बीके प्रियंका बहन और वैष्णवी बहन ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अंदर आत्मविश्वास नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का विकास करना रहा है विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने का प्रयास किया गया है।

शिविर में मेहंदी पेंटिंग डांसिंग कहानी और भाषण तैयार करने की

विधा के साथ-साथ राजयोग मेडिटेशन प्राणायाम नैतिक शिक्षा अनुशासन माता-पिता व बड़ों के सम्मान जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्य सिखाए गए । शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों गेहना शुक्ला, चंचल शुक्ला, परी कोल, नित्या श्रीवास्तव, आराध्या आशीष , आराध्या ओम गुप्ता,अवनी गुप्ता, अथर्व गुप्ता, अभिनव गुप्ता, आयुषी यादव, परी जैन, श्रेया कुमारी, शुभी राजपूत,आरवी महेलिया को वयोवृद्ध भाई शालिग्राम शर्मा द्वारा प्रशस्ति पत्र गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर बीके भारती बहन ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से मन शांत होता है और व्यक्ति में सकारात्मकता तथा एकाग्रता विकसित होती है जो जीवन को सही दिशा देती है बच्चों को मोबाइल के दुष्प्रभाव से अवगत कराते हुए मोबाइल का कम उपयोग करने का संकल्प दिलाया गया ।

खबर संक्षेप

रैपुरा वन परिक्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धिः विगत वर्षों की तुलना में इस वर्ष 63ः कम फ़ायर अलर्ट

प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमण्डल के रैपुरा वन परिक्षेत्र ने वर्ष 2026 के अग्नि मौसम में वन अग्नि प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। विगत पाँच वर्षों में मार्च से मई माह के आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ है कि इस वर्ष रैपुरा परिक्षेत्र में मात्र 41 फायर अलर्ट प्राप्त हुए, जबकि वर्ष 2022 से 2025 के दौरान औसत फायर अलर्ट संख्या लगभग 111 रही थी। इस प्रकार परिक्षेत्र ने अपने दीर्घकालीन औसत की तुलना में लगभग 63 प्रतिशत की कमी दर्ज करते हुए अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि के पीछे वन विभाग द्वारा अपनाई गई बहुस्तरीय रणनीति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। परिक्षेत्र की सीमावर्ती बीटों सगौनी, रैपुरा, जमुनिया एवं रतनगांव में गहरी फायर लाइनों की समय पर कटाई एवं सफाई कराई गई तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर पैदल एवं वाहन गश्त की गई। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप पड़ोसी वनमण्डलों की ओर से एक भी वन अग्नि रैपुरा परिक्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकी। वन क्षेत्र से होकर गुजरने वाली रेलवे लाइन के किनारे विशेष अग्नि सुरक्षा प्रबंधन भी किया गया। रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सूखी घास एवं ज्वलनशील पदार्थों की सफाई तथा नियंत्रित दहन कराया गया। इसके परिणामस्वरूप रेलवे लाइन से सटे वन क्षेत्रों में कोई भी वन अग्नि घटना दर्ज नहीं हुई। साथ ही, त्वरित प्रतिक्रिया दल को आधुनिक उपकरणों एवं वाहनों सहित लगातार सक्रिय रखा गया, जिससे प्राप्त प्रत्येक अग्नि सूचना पर शीघ्र कार्रवाई कर आग को प्रारंभिक अवस्था में ही नियंत्रित कर लिया गया। वन अग्नि नियंत्रण में स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी एक महत्वपूर्ण कारक रही। वन अमले द्वारा ग्राम सभाओं, जनसंवाद कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों के माध्यम से ग्रामीणों को वन अग्नि से होने वाले नुकसान एवं उसकी रोकथाम के उपायों के बारे में लगातार जागरूक किया गया। विशेष रूप से उन गांवों पर ध्यान केंद्रित किया गया जहां पूर्व वर्षों में अग्नि घटनाएं अधिक दर्ज होती थीं। परिणामस्वरूप इस वर्ष रैपुरा परिक्षेत्र में कोई भी बड़ी अथवा अनियंत्रित वन अग्नि घटना नहीं हुई। वन मण्डलाधिकारी दक्षिण ने इस उपलब्धि का श्रेय रेंज ऑफिसर विवेक जैन के नेतृत्व में रैपुरा परिक्षेत्र के समस्त मैदानी अमले के अथक प्रयासों, त्वरित प्रतिक्रिया दल, वन समितियों तथा स्थानीय नागरिकों के सहयोग को दिया है।

पथरिया, बटियागढ़, दमोह और हटा क्षेत्र की 350 गांवों की पेयजल परियोजना पर राज्यमंत्री श्री पटेल ने नाराजगी व्यक्त की

15 दिन में भुगतान व कार्यों में प्रगति लाये अन्यथा ठेका निरस्त करने की कार्यवाही की जाए-राज्यमंत्री

परियोजना स्थल निरीक्षण के बाद अधिकारियों और निर्माण एजेंसियो की बैठक बुलाई गई, समीक्षा कर दिया गया सख्त संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन पेयजल परियोजना में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों और कार्यकारी एजेंसी को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए हैं। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा पथरिया, बटियागढ़ विकासखंड के साथ-साथ दमोह और हटा क्षेत्र के कुछ हिस्सों को जोड़ने वाली पेयजल परियोजना में सीतानगर एवं पंचमनगर से जल आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। यह परियोजना लगभग 350 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई है। उन्होंने कहा हाल ही में किए गए निरीक्षण के दौरान पाया गया कि परियोजना का कार्य अभी भी अधूरा है, जबकि कार्यकारी एजेंसी का निर्धारित कार्यकाल समाप्त हो चुका है और उसे समय विस्तार (एक्सटेंशन) भी दिया जा चुका है। इसके बावजूद अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी है। श्री पटेल ने कार्यकारी एजेंसी को सख्त हिदायत दी, कार्य में देरी और कोताही बर्दास्त नहीं की जायेगी।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने निरीक्षण के बाद अधिकारियों और संबंधित एजेंसी के साथ बैठक की, जिसमें कार्यकारी एजेंसी ने भुगतान संबंधी समस्याओं को कार्य में देरी का प्रमुख कारण बताया। इस पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 15 दिनों के भीतर भुगतान और अन्य लंबित प्रशासनिक प्रक्रियाओं का निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा यदि निर्धारित अवधि में स्थिति में सुधार नहीं होता है तो संबंधित एजेंसी से अंतिम चर्चा कर उसके ठेके को निरस्त करने की कार्रवाई की जाए।

राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा अगले एक से दो सप्ताह के भीतर पुनः समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक जयंत मलैया भी उपस्थित रहेंगे, क्योंकि उनके विधानसभा क्षेत्र के गांव भी इस परियोजना से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा यह योजना गर्मी के मौसम में शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन लगातार देरी के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन और निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी बाधाओं को दूर करते हुए परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण सुनिश्चित कराया जाए। बैठक में जल निगम के महाप्रबंधक गौरव सराफ खासतौर पर मौजूद रहे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

हटा। नगर के शासकीय पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हटा में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा चल रहे आरोह ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सिविल अस्पताल की डॉक्टर वर्षा राजपूत जी एवं उनके सहयोगी डॉक्टर रहे यह आयोजन 1 मई से 30 में तक किया गया। इस प्रशिक्षण में खो खो एवं कराते का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें खिलाड़ियों को खेलो की बारीकियां सिखाई गई। यह आयोजन एसपी दमोह खेल युवा कल्याण अधिकारी श्री सैफुल्लाह खान के निर्देशन में चल रहा था जिसमें बच्चों को डॉक्टर वर्षा द्वारा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं मोबाइल से होने वाली हानिकारक दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया। खो खो का प्रशिक्षण श्री दिनेश बर्मन एवं कराते का प्रशिक्षण राहुल लखेरा ब्लैक बेल्ट द्वारा दिया गया। खेल विभाग के ब्लॉक समन्वयक हरिराम अहिरवार ने बताया कि नगर में खेल का वातावरण बनाने, नए खिलाड़ियों का रूझान खेलों में बढ़ाने और उनमें खेल के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से विकासखंड स्तर पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का मूल उद्देश्य नौनिहालों के मन में खेल भावना प्रेरित कर खेल क्षेत्र की ओर अग्रसर करना तथा उन्हे रूचि अनुसार खेल की बारीकियों को समझाना है, जिससे बच्चे खेल प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन कर सकें। प्रशिक्षण में लगभग 100 रजिस्ट्रेशन बच्चों द्वारा किए गए जिनके प्रमाण पत्र ऑनलाइन उनके मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी पर प्राप्त होंगे।

बांदकपुर के देवश्री जागेश्वरनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

बनवार। ज्येष्ठ माह की प्रथम पूर्णिमा एवं पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर बुंदेलखंड के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल देवश्री जागेश्वरनाथ धाम बांदकपुर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में दर्शन, पूजन और जलाभिषेक का क्रम लगातार चलता रहा। मान्यता है कि पुरुषोत्तम मास में किए गए धार्मिक अनुष्ठान का दोगुना पुण्य फल प्राप्त होता है। इसी आस्था के चलते दमोह जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया और दान-पुण्य कर पुण्य लाभ अर्जित किया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान सत्यनारायण स्वामी की कथा का श्रवण भी किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर हो गया। मंदिर प्रबंधक राम कृपाल पाठक ने बताया कि अधिक मास यानी पुरुषोत्तम मास की प्रथम पूर्णिमा का विशेष धार्मिक महत्व होता है। इसी कारण इस दिन भक्तों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम दर्शन के लिए मंदिर ट्रस्ट द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। पूरे दिन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से दर्शन-पूजन का क्रम चलता रहा, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि बांदकपुर धाम में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है, लेकिन विशेष पर्वों और पूर्णिमा के अवसर पर यहां आस्था का सैलाब उमड़ पड़ता है।

40 वर्षों की सेवा के बाद शिक्षक का सेवानिवृत्ति समारोह सम्पन्न

दमोह। जिले के बतियागढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम खड़ेरी हाई सेकेंडरी विद्यालय में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ शिक्षक एवं समाजसेवी एन. बी. राठौर के 40 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा पूर्ण होने पर भव्य सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं क्षेत्रीय विधायक लखन पटेल मुख्य अतिथि रहे। उनके साथ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, सरपंच गोविन्द पटेल, बम्होरी सरपंच प्रवीण पटेल, पूर्व प्राचार्य आर. पी. पटेल, वर्तमान प्राचार्य डी. एस. चौधरी, मंडल अध्यक्ष अरविन्द पटेल, शिक्षक देवेंद्र ठाकुर सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षकगण एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि लखन पटेल ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। एन. बी. राठौर ने अपने 40 वर्षों के सेवाकाल में हजारों विद्यार्थियों का भविष्य संवारा है, जो समाज के लिए एक अमूल्य योगदान है। ऐसे समर्पित शिक्षकों से ही शिक्षा व्यवस्था मजबूत होती है। सेवानिवृत्ति केवल सेवा का अंत नहीं, बल्कि समाज सेवा के एक नए अध्याय की शुरुआत है। हमें विश्वास है कि राठौर जी अपने अनुभव और ज्ञान से समाज को आगे भी मार्गदर्शन देते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान राठौर जी का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए भावपूर्ण विदाई दी। समारोह के अंत में नरेंद्र राठौर ने अपने पिता के सेवानिवृत्ति आयोजन में पधारे सभी अतिथियों, शिक्षकगण एवं ग्रामवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री का संवाद कार्यक्रम जन-जन को करता है प्रेरित - जिलाध्यक्ष

दमोह। भाजपा जिला कार्यालय, दमोह में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 134वां संस्करण कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से श्रवण किया गया। एवं जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने बांसा तारखेड़ा के ग्राम तिदौनी में मंडल पदाधिकारियों, किसान बंधुओ एवं ग्राम वासियों के साथ मन की बात श्रवण किया। जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 'मन की बात' कार्यक्रम देश के जन-जन को प्रेरित करने वाला अद्भुत मंच है। यह कार्यक्रम समाज के हर वर्ग की सकारात्मक कहानियों को सामने लाकर एक नए भारत के निर्माण की भावना को मजबूत करता है। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह कार्यक्रम मार्गदर्शक के समान है, जिससे हमें सेवा, समर्पण और संगठन को मजबूती देने की प्रेरणा मिलती है। हम सभी का दायित्व है कि प्रधानमंत्री जी के इन विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। इस अवसर पर दमोह विधायक पूर्व मंत्री जयंत कुमार मलैया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री जी के विचारों को गंभीरता से सुना और कार्यक्रम के पश्चात अपने विचार व्यक्त किए। दमोह विधायक जयंत मलैया ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री जी जिस प्रकार समाज के हर वर्ग, गांव, किसान, युवा एवं महिलाओं के मुद्दों को सामने लाते हैं, उससे कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, प्रेरणा और दिशा प्राप्त होती है। यह कार्यक्रम जनभागीदारी को सशक्त बनाता है और राष्ट्र निर्माण में आमजन की भूमिका को बढ़ावा देता है। जिला कार्यालय में जिला उपाध्यक्ष मनीष तिवारी, जिला मंत्री भरत यादव, जिला कार्यालय मंत्री देवकीनंदन पटैल, दमयंती नगर मंडल अध्यक्ष रामकांत बाजपेई, जिला सोशल मीडिया प्रभारी संदीप शर्मा, जिला आईटी प्रभारी रिंकू गोस्वामी, पथरिया मंडल प्रभारी मनीष सोनी, पूर्व जिला मंत्री अरविन्द उपाध्याय, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला महामंत्री शिवशंकर कुशवाहा, युवा मोर्चा से पंडित राजुल चौराहा, पंडित शिवेंद्र तिवारी, हरी रजक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं किसान बंधु उपस्थित रहे।

देवगण सदाचारी शांतिप्रिय और धर्म के रक्षक थे जबकि दानव अत्यंत क्रूर बलशाली और सदाचारियों के प्राणों के भूखे रहते थे - पं रवि शास्त्री

दमोह। स्थानीय अथाई आमचौपरा मार्ग पर स्थित श्रीदेव रासबिहारी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का आज पूजन हवन के साथ विश्राम हो गया कल 1 जून को जल विहार कार्यक्रम होगा कथा व्यास आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने कहा की कथा सुनने का मतलब है कि हमें सदैव अच्छा आचरण करना चाहिए अच्छे मार्ग पर चलना चाहिए उन्होंने कहा कि सृष्टि रचना के उपरांत सृष्टिकर्ता ब्रह्माजी अत्यंत व्यथित थे देवताओं और दानवों के बीच चल रहे अनवरत संघर्ष ने उन्हें गहरी चिंता में डाल दिया था देवगण सदाचारी शांतिप्रिय और धर्म के रक्षक थे जबकि दानव अत्यंत क्रूर बलशाली और सदाचारियों के प्राणों के भूखे थे दानवों की प्रचंड शक्ति के आगे देवता क्रमशः क्षीण होते जा रहे थे उनकी संख्या घटने लगी और वे सृष्टि से विलुप्त होने की कगार पर पहुँच गए तब देवताओं की रक्षा के लिए अमृत की खोज अनिवार्य हो गई समुद्र मंथन हुआ कूटनीति से दानवों को भी इसमें शामिल किया गया मंथन के फलस्वरूप चौदह दिव्य रत्न निकले जिनमें स्वयं माँ लक्ष्मी भी समुद्र से प्रकट हुईं भगवान विष्णु ने मोहिनी अवतार धारण कर अमृत का वितरण देवताओं में किया कपट रूपधारी राहु को भगवान ने चक्र से काट डाला किन्तु वह अमृत पी चुका था जिससे राहु और केतु के दो रूप अस्तित्व में आए अमृत प्राप्ति से देवताओं की मृत्यु का भय तो समाप्त हो गया परंतु दानवों से उनकी पराजय जारी रही. महान दैत्यराज वृत्रासुर के वध के लिए महामुनि दधीचि ने अपनी अस्थियाँ तक देवताओं को अर्पित कर दीं जिनसे इन्द्र का प्रसिद्ध वज्र बना दानव न केवल शक्तिशाली थे बल्कि महान तपस्वी भी थे, वे अपने योगबल से देवताओं पर विजय प्राप्त कर लेते थे अंततः ब्रह्माजी भगवान शंकर की शरण में पहुँचे उस समय भगवान भोलेनाथ अपनी प्रिया पार्वती के साथ पर्वत शिखर पर विराजमान थे देवदार के वृक्षों के नीचे उनका प्रिय वाहन नंदी बैठा था और शिवगणों का हर हर बम बम का जयकार गूंज रहा था ब्रह्माजी को देख भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न हुए उन्होंने सृष्टिकर्ता का सम्मानपूर्वक स्वागत किया और उच्चासन पर विराजमान कर कारण पूछा ब्रह्माजी ने कहा प्रभो मैंने अत्यंत सतर्कता से सृष्टि की रचना की किन्तु दानवों की भयंकर शक्ति के समक्ष देवशक्तियाँ निरंतर निर्बल होती जा रही हैं शिवजी मुस्कुराए और बोले प्रभो मेरा कार्य तो संहार है फिर भी मैं अपनी अर्द्धनारीश्वर शक्ति से सहायता कर सकता हूँ अधिकांश दानव मेरे परम भक्त हैं अतः मैं प्रत्यक्ष रूप से उनका विनाश नहीं कर सकता परंतु मैं अपनी शक्ति रूप द्वारा उनकी बुद्धि भ्रष्ट कर दूँगा वे उचित अनुचित का विवेक खो बैठेंगे यह मेरा शक्ति स्वरूप बगला नाम से विश्व में प्रसिद्ध होगा एक बार असुरों के प्राणघातक आक्रमणों से क्षुब्ध होकर भगवान शंकर का मुख रक्तवर्ण हो गया उनके क्रोध से एक महान तेज उत्पन्न हुआ उस दिव्य ज्वाला ने समस्त दिशाओं को व्याप्त कर लिया सूर्य के समान प्रचंड तेजस्वी वह ज्वाला पुंज एक स्त्री रूप में परिवर्तित हो गया. माँ बगलामुखी का वह उग्र स्वरूप अत्यंत भयंकर और आकर्षक था उनके मस्तक पर चंद्र जटित मुकुट और ललाट पर तृतीय नेत्र सुशोभित था पीताम्बर धारण किए हुए माँ के एक हाथ में शत्रु की जिव्हा और दूसरे में प्रलयंकारी गदा थी।

राज्यमंत्री ने कार्यालय में सुनीं जनसमस्याएं

दमोह। प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने दमोह के जटाशंकर स्थित कार्यालय में आज क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित, प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

भागवत पंडाल में निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित, सैकड़ों ग्रामीणों ने उठाया लाभ

हटा। ब्लॉक के ग्राम बंधा में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस पर कथा पंडाल में स्वर्गीय महेंद्र सिंह यादव की स्मृति में जानकी कुंड ट्रस्ट चित्रकूट की टीम द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों की आंखों की जांच कर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। जांच के दौरान दवा और चश्मों का निःशुल्क वितरण एवं मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का चयन किया गया, जिन्हें ऑपरेशन के लिए आगामी 5 जून को चित्रकूट भेजा जाएगा। इस अवसर पर जानकी कुंड ट्रस्ट की हटा टीम से ओ ए गार्गी द्विवेदी, व्ही.एस अजय कुमार निरंजन एवं आशीष पांडे उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त किया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू मुक्त जीवनशैली अपनाने की दिलाई गई शपथ

तेंदूखेड़ा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तंबाकू नियंत्रण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बरौनियां द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को तंबाकू मुक्त जीवनशैली अपनाने की शपथ दिलाई गई। शपथ के दौरान सभी ने संकल्प लिया कि वे किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद का सेवन नहीं करेंगे तथा अपने घर और कार्यस्थल को तंबाकू मुक्त बनाए रखेंगे। साथ ही समाज में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता फैलाने और लोगों को तंबाकू से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का भी संकल्प लिया गया। डॉ. बरौनियां ने कहा कि तंबाकू का सेवन अनेक गंभीर बीमारियों, विशेषकर कैंसर, हृदय रोग एवं श्वसन संबंधी समस्याओं का प्रमुख कारण है। उन्होंने सभी से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा तंबाकू मुक्त अभियानों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने तंबाकू मुक्त भारत एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।

गैस की महंगाई और रोजगार संकट के बीच वनांचल की महिलाएं फिर लौटीं चूल्हे पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेडा

तेंदूखेड़ा ब्लॉक के वनांचल क्षेत्र के सर्रा, भैंसा, बोरिया, कुदपुरा सहित दो दर्जन से अधिक गांवों में घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और रोजगार के अभाव के कारण महिलाएं एक बार फिर पारंपरिक चूल्हों पर भोजन बनाने को मजबूर हैं। उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिलने के बावजूद महंगे सिलेंडर और आर्थिक तंगी के चलते अधिकांश परिवार नियमित रूप से गैस का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसके लिए महिलाओं को प्रतिदिन जंगलों से लकड़ी एकत्रित करनी पड़ रही है। ग्रामीण महिलाओं सरोज बाई, आशा रानी, शीतला बाई, कमलरानी तथा रज्जू बाई ने बताया कि उनके घरों में गैस कनेक्शन तो उपलब्ध हैं, लेकिन सिलेंडर की बढ़ती कीमतें परिवार के बजट पर भारी पड़ रही हैं। कई बार गैस की उपलब्धता और समय पर आपूर्ति की समस्या भी सामने आती है। ऐसे में वे चूल्हे पर भोजन बनाना अधिक किफायती और सुविधाजनक मानती हैं। महिलाओं का कहना है कि ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए कई परिवारों को मजदूरी की तलाश में दूसरे क्षेत्रों में पलायन तक करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में ईंधन पर होने वाला अतिरिक्त खर्च उनके लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। परिवार के सदस्यों की संख्या अधिक होने के कारण एक गैस सिलेंडर जल्दी समाप्त हो जाता है, जिससे बार-बार सिलेंडर भरवाना आर्थिक रूप से संभव नहीं हो पाता। रज्जू बाई ने बताया कि रोजाना सुबह महिलाएं जंगलों में जाकर लकड़ी एकत्रित करती हैं। कई घंटे की मेहनत के बाद लकड़ी घर लाकर उसी से पूरे परिवार का भोजन तैयार किया जाता है। हालांकि यह प्रक्रिया काफी श्रमसाध्य है, लेकिन आर्थिक मजबूरियों के कारण वे इसे अपनाने को विवश हैं।

ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि शहरों की तुलना में गांवों में लकड़ी अपेक्षाकृत आसानी से उपलब्ध हो जाती है, इसलिए लोग जरूरत पड़ने पर इसका उपयोग कर लेते हैं। लेकिन धुएं से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं और बढ़ती मेहनत को देखते हुए वे स्वच्छ ईंधन का उपयोग करना चाहती हैं। महिलाओं ने सरकार से घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में राहत देने, नियमित गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि गैस सस्ती और सुलभ हो जाए तो वे चूल्हे के धुएं से मुक्ति पाकर स्वच्छ ईंधन का उपयोग कर सकेंगी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में चूल्हा ही उनके लिए सबसे व्यवहारिक विकल्प बना हुआ है।

श्रीमद्भागवत कथा के भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भक्तिमय वर्णन

तेंदूखेड़ा। ग्राम सैलवाडा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस पर कथावाचक पूज्य कृष्ण कुमार शास्त्री जी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत मनोहारी, भावपूर्ण एवं भक्तिरस से ओत-प्रोत वर्णन किया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का रसपान कर भाव-विभोर हो उठे। कथाव्यास श्री शास्त्री जी ने बताया कि भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मथुरा के कारागार में भगवान श्रीकृष्ण का अवतार हुआ। कंस के अत्याचारों से उनकी रक्षा के लिए वासुदेव जी नवजात कृष्ण को यमुना नदी पार कर गोकुल में नंद बाबा और माता यशोदा के घर ले आए। यहीं से भगवान की बाल लीलाओं का शुभारंभ हुआ। उन्होंने बताया कि कंस ने बालक कृष्ण का वध करने के लिए अनेक राक्षसों को भेजा, किंतु भगवान ने अपनी दिव्य शक्ति से सभी का संहार किया। पूतना राक्षसी विषपान कराकर कृष्ण को मारना चाहती थी, परंतु भगवान ने उसके प्राण हरकर उसे मोक्ष प्रदान किया। शकटासुर का वध बालकृष्ण ने अपने चरणों के स्पर्श मात्र से कर दिया, जबकि तृणावर्त राक्षस को भी अपनी अद्भुत लीला से परास्त कर दिया। कथा में माखन चोरी की मनोरम लीलाओं का वर्णन करते हुए शास्त्री जी ने कहा कि भगवान कृष्ण अपने सखाओं के साथ गोपियों के घरों से माखन चुराते थे, जिससे वे सभी के प्रिय बन गए। उनकी नटखट बाल लीलाएं आज भी भक्तों के हृदय में विशेष स्थान रखती हैं। माटी भक्षण लीला का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि जब माता यशोदा ने कृष्ण के मुख में झांका तो उन्हें संपूर्ण ब्रह्मांड के दर्शन हुए। वहीं दामोदर लीला में माता यशोदा द्वारा ऊखल से बांधे गए कृष्ण ने यमल-अर्जुन वृक्षों का उद्धार कर अपनी दिव्यता का परिचय दिया। कथा के अंत में गोवर्धन पूजा का महत्व बताते हुए शास्त्री जी ने कहा कि भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों को प्रकृति एवं गोवर्धन पर्वत की पूजा का संदेश दिया। इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा हेतु उन्होंने अपनी कनिष्ठिका अंगुली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर समस्त ब्रज की रक्षा की। कथाव्यास ने कहा कि श्रीमद्भागवत में वर्णित ये बाल लीलाएं केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मानव जीवन से अहंकार, अज्ञान और विकारों को दूर कर प्रेम, भक्ति एवं समर्पण का मार्ग दिखाने वाली दिव्य शिक्षाएं हैं। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ भक्तिमय वातावरण में कथा का श्रवण किया।

खबर संक्षेप

आर्जव का सुयश

दमोह। नगर के गुरुनानक स्कूल के छात्र आर्जव पुत्र सुनील जैन ने कक्षा 12वी सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 95.2 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने परिवार और स्कूल का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने शिक्षकगण व परिवारजनों को दिया है। इनकी इस उपलब्धि पर उनके मित्रों, शिक्षकों व परिजनों ने बधाई प्रेषित की हैं।

राज्यमंत्री ने सुनी मन की बात का 134वां संस्करण

दमोह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की 'मन की बात' के 134वें संस्करण का श्रवण जबेरा क्षेत्र में उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने नागरिकों के साथ कार्यक्रम सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के विकास, आत्मनिर्भर भारत, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण, युवा शक्ति तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। साथ ही आम के अच्छे किस्म के पौधे लगाने की बात कही।
राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को प्रेरित करने और जनभागीदारी को मजबूत बनाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री जी द्वारा बताए गए विचार और प्रेरणादायक प्रसंग समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों ने भी अपने विचार साझा किए और प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रगतिशील कृषक, उन्नतशील कृषक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को ध्यानपूर्वक सुना और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

स्वच्छता केवल शहर की पहचान नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, संस्कृति और सभ्यता का भी प्रतीक : कलेक्टर

सुभाष कॉलोनी में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कलेक्टर ने किया निरीक्षण

बरसात से पहले नालों की सफाई और गहरीकरण के दिए सख्त निर्देश क्षेत्रवासियों से कलेक्टर ने चर्चा कर लिए सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने सुभाष कॉलोनी के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या, शहर में स्वच्छता और नगर विकास से जुड़ी समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि सुभाष कॉलोनी में बरसात के दौरान बड़ी संख्या में घरों में पानी भरने की गंभीर समस्या सामने आई थी, जिसके समाधान के लिए क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कॉलोनी के सामने डाली गई पुलिया में पानी निकासी के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। इस समस्या के समाधान हेतु एक अतिरिक्त समानांतर सड़क में पाइप बिछाने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे बरसात के दौरान जल निकासी सुचारु रूप से हो सके।

कलेक्टर श्री यादव ने कहा मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेन्द्र सिंह लोधी ने बताया कि नगरपालिका के पास संसाधनों की कमी है। इसे देखते हुए मायसेम कंपनी द्वारा एक पोकलेन मशीन उपलब्ध कराई गई है, जिससे नालों की सफाई और गहरीकरण का कार्य समय पर पूरा किया जा सकेगा तथा वर्षा ऋतु में नागरिकों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

स्टॉप डैम में अवरोध हटाने के निर्देश

कलेक्टर श्री यादव ने निरीक्षण के दौरान पाया कि बीज निगम द्वारा निर्मित स्टॉप डैम में गेट लगाने का प्रावधान होने के बावजूद उसे स्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इससे बैक वॉटर का दबाव बढ़कर आसपास की कॉलोनियों और बस्तियों में पानी भरने की स्थिति बन रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल अवरोध हटाकर गेट संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंडी कचरा प्रबंधन में सुधार के निर्देश

सागर-दमोह रोड पर मंडी द्वारा खुले में कचरा डाले जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि मंडी का समस्त कचरा निर्धारित डंपिंग एरिया में ही डाला जाए तथा वर्तमान में जमा कचरे को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी गलत परंपराओं को समाप्त करना आवश्यक है।

छात्रावास में जलभराव पर नाराजगी जताई

भ्रमण के दौरान बालक पोस्ट मैट्रिक छात्रावास का निरीक्षण भी किया गया। छात्रों ने बताया कि बरसात के समय उनके कमरों में डेढ़ से दो फीट तक पानी भर जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए विधायक श्री जयंत मलैया के माध्यम से राशि उपलब्ध कराकर समानांतर नाला निर्माण कराने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा छात्रावास में स्वच्छ पेयजल, वॉटर कूलर और गुणवत्तापूर्ण भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री यादव ने बाहर से समोसे लाकर छात्रों को नाश्ता खिलाने की व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त करते हुए शासन के निर्देशानुसार परिसर में ही स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

शहर की सफाई व्यवस्था होगी व्यवस्थित

कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि शहर में कार्यरत लगभग 300 सफाई मित्रों की ड्यूटी, सुपरविजन और कार्य समय की व्यवस्थित योजना तैयार की जा रही है। इससे सफाई कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग संभव होगी और किसी क्षेत्र में गंदगी मिलने पर जवाबदेही भी तय की जा सकेगी।

खेल परिसर और बंद स्कूल की भूमि के बेहतर उपयोग की तैयारी

निरीक्षण के दौरान बंद पड़े खेल परिसर और नगरपालिका के श्री खंडे स्कूल भवन का भी जायजा लिया गया। कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि खेल परिसर को शीघ्र जनहित में उपयोग के लिए शुरू किया जाएगा ताकि बच्चों को खेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। वहीं शहर के प्रमुख स्थान पर स्थित नगरपालिका स्कूल परिसर में बढ़ते अतिक्रमण पर चिंता व्यक्त करते हुए सीएमओ को तत्काल भूमि का कब्जा लेकर बाउंड्रीवाल और गेट निर्माण कराने के निर्देश दिए ।
उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार वहां व्यावसायिक परिसर या दुकानें विकसित कर नगरपालिका की आय बढ़ाई जा सकती है।

स्वच्छता में नागरिकों की सहभागिता जरूरी

कलेक्टर श्री यादव ने नागरिकों से आग्रह किया कि स्वच्छता केवल शहर की पहचान नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, संस्कृति और सभ्यता का भी प्रतीक है। उन्होंने लोगों से कचरा निर्धारित स्थानों पर डालने, नालियों और सड़कों पर गंदगी न फैलाने तथा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुव्यवस्थित शहर विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलता है।

प्रातः 7 बजे से भ्रमण पर निकले कलेक्टर श्री यादव

कलेक्टर श्री यादव प्रातः 7 बजे से सुभाष कॉलोनी के पूरे क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर जायजा लिया क्षेत्र के निवासियों से चर्चा की साथ ही उनसे सुझाव भी लिऐं। अपने इस भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री यादव सुभाष कॉलोनी, बीज निगम, खैजरा मार्ग, स्टापडेम, तीन गुल्ली, स्टेशन चौराहा, श्री खण्डे स्कूल और पोस्ट मैट्रिक छात्रावास तथा एसपीएम नगर खेल परिसर और इंडोर स्टेडियम का जायजा लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए तदानुसार कार्यवाही के लिए कहा। इस दौरान एसडीएम सौरभ गंधर्व, तहसीलदार रॉबिन जैन, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण कपिल खरे, सीएमओ नगरपालिका राजेन्द्र सिंह लोधी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल निगम के अधिकारियों का औपचारिक निरीक्षण स्थिति जस की तस

कई वार्डों में गहराया जलसंकट , 6 से 7 दिनों में जल आपूर्ति से परेशान ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रनेह

रनेह में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। भीषण गर्मी के बीच कई वार्डों में कुछ दिनों से पानी की आपूर्ति नहीं होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ मोहल्लों में नियमित रूप से पानी पहुंच रहा है, जबकि कई वार्ड ऐसे हैं जहां नलों से पानी के बजाय केवल हवा निकल रही है। तो कही गंदा पानी आ रहा जो पीने योग्य नहीं है जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जल निगम के अधिकारियों ने रनेह पहुंचकर निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घर-घर जाकर सर्वे किया और प्रभावित परिवारों से जानकारी एकत्रित की। इस दौरान कई महिलाओं ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं और बताया कि उन्हें पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने पर संबंधित वार्ड की जलापूर्ति कुछ समय के लिए शुरू कर दी जाती है, लेकिन शिकायत बंद होने के बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कई वार्डों में नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है। ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि पानी की टंकी को उसकी पूर्ण क्षमता तक नहीं भरा जाता, जिसके कारण अंतिम छोर के वार्डों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता। हालांकि जल निगम के अधिकारियों ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि प्रतिदिन आवश्यकता से अधिक मात्रा में पानी टंकी तक पहुंचाया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान ग्रामीण महिलाओं की नाराजगी और विरोध का भी अधिकारियों को सामना करना पड़ा। निरीक्षण दल में जल निगम के इंजीनियर राहुल मिश्रा एवं सहायक प्रबंधक अखिलेश शुक्ला शामिल थे। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर तकनीकी खामियों की जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल ग्रामीणों का कहना है कि केवल निरीक्षण और आश्वासनों से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि नियमित एवं पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

ग्राम कंसा में निकली भव्य कलश यात्रा, शिव महारुद्र यज्ञ में उमड़ा आस्था का सैलाब

तेजगढ़। तेजगढ़ से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम कंसा में परम पूज्य दिवंगत संत श्री कैलाशपुरी जी महाराज के पावन सानिध्य एवं सद्प्रेरणा से आयोजित श्री शिव महा रुद्र यज्ञ 30 मई.से 7 जून 2026 तक होगी इस उपलक्ष्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। धार्मिक उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कलश यात्रा ग्राम कंसा से ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयघोषों के साथ प्रारंभ हुई। यात्रा ग्राम तेजगढ़ बस स्टैंड से होते हुए गुरैया नदी तट स्थित प्राचीन श्री गणेश मंदिर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे मार्ग में भक्तों का उत्साह और आस्था देखते ही बन रही थी। इस महाधार्मिक आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से संत-महात्माओं का आगमन हुआ है। यज्ञ में यज्ञाचार्य पं. दीपचंद्र धर्मशास्त्री जी (गीता धाम, जबलपुर), मंडलेश्वर पुरी बालानंद जी महाराज (गुजरात), श्री केशवानंद जी महाराज (जूनागढ़, गुजरात) तथा श्री दिगंबर कैलाश पुरी जी महाराज (रामघाट आश्रम, जबलपुर) का विशेष सानिध्य प्राप्त हो रहा है। वहीं कथा वाचक साध्वी श्री प्रिया किशोरी जी (वृंदावन धाम) श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और संस्कारों से ओतप्रोत कथा का श्रवण करा रही हैं। आयोजन समिति के अनुसार यज्ञ का मुख्य उद्देश्य विश्व शांति, जनकल्याण एवं धर्म जागरण है। प्रतिदिन यज्ञ, पूजन, प्रवचन एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जावेगा जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। इसके साथ ही प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से रात्रि 2 बजे तक भव्य रामलीला मंचन का आयोजन भी किया जा रहा है। रामलीला में भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र एवं आदर्शों का सुंदर मंचन किया जा रहा है, जिसे देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ग्राम कंसा में आयोजित यह शिव महा रुद्र यज्ञ क्षेत्रवासियों के लिए आस्था, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बन गया है। हर-हर महादेव के जयघोषों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान है और श्रद्धालु आनंद से धर्म का लाभ उठा रहे।

संकट की घड़ी में किसानों के साथ खड़ी है सरकार ओलावृष्टि से हुए नुकसान का मुआवजा-लखन पटेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ पथरिया

क्षेत्रीय विधायक व पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंत्री लखन पटेल ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम इमलिया घोना में विगत दिनों हुई ओलावृष्टि के कारण मूंग की फसल को नुकसान का मुआयना करने पहुंचे और खेत में जाकर देखा। संकट से जूझ रहे किसान भाइयों से बातचीत भी व अन्नदाताओं को ढांढस बंधाते हुए आश्वस्त किया गया कि सरकार इस संकट काल में पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है। किसी भी किसान भाई को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। नियमानुसार फसल क्षति का सर्वे कराकर जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिलाया जाएगा। इस अवसर पर एसडीएम पथरिया निकेत चौरसिया को तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम द्वारा जानकारी दी कि फसल नुकसान के त्वरित आकलन के लिए सर्वे दल का गठन कर दिया गया है। यह दल जल्द ही नुकसान का सर्वे पूरा कर प्रकरण तैयार करेगा, ताकि नियमानुसार मुआवजा राशि बिना किसी विलंब के सीधे किसानों के खातों में पहुंचाई जा सके। इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष खरगराम पटेल, तहसीलदार,पटवारी व ग्रामीण उपस्थित रहें।

ग्रामीण क्षेत्र में खुलेआम चल रहा सट्टे का अवैध व्यापार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गैसाबाद

एक रुपए के 80 रुपए पाने के लालच में लोग हर रोज सट्टा पर दाव लगा रहे हैं, लेकिन सट्टा खेलने वालों की कभी कमाई ही जीत होती है जबकि सट्टा खिलाने वाले मेन साटोरिया की हर रोज जीत होती है। थोड़ी सी लालच के चक्कर में पड़ के लोग अपनी दिन भर की कमाई हुई पूंजी को सट्टा पर खर्च कर देते हैं जिससे उनके घरों में आर्थिक समस्या खड़ी हो रही है। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम गैसाबाद के बस स्टैंड एवं ग्राम मुहराई के बस स्टैंड पर खुलेआम सट्टा पर्ची काटी जा रही है। ओपन क्लोज का यह खेल सुबह से लेकर रात 10 बजे तक बे रोक- टोक चलता रहता है सट्टा के इस अवैध कारोबार के चलते गांव गांव में अशांति का माहौल बना रहता है। एक ही दिन में लखपति बनने के चक्कर में क्या बूढ़े क्या जवान और क्या युवा सभी दाव पर दाव लगाकर सट्टा के खेल में उलझे रहते हैं। जब कुछ समाजसेवियों द्वारा इस अवैध कारोबार का विरोध किया जाता है तो पुलिस विभाग से संबंधित कुछ कर्मचारियों का यह तर्क होता है कि सट्टा का खेल तो सारे प्रदेश में चल रहा है। गौरतलब है कि कुछ माह पूर्व ग्राम के ही दो लड़कों का सट्टा के पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद भी हुआ था इस मामले की 181 पर एवं पुलिस अधीक्षक दमोह कार्यालय में शिकायत भी दर्ज कराई गई थी, हालांकि बाद में शिकायतकर्ता द्वारा आपस में बैठकर मामले को सुलझाते हुए राजीनामा कर लिया गया था, क्षेत्र में चल रहे सट्टा के अवैध कारोबार से कई घर परिवार आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से इस अवैध कारोबार पर अंकुश लगाए जाने की मांग की है इस मामले पर जब गैसाबाद थाना प्रभारी से प्रतिक्रिया लेनी चाहिए तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

कपड़ा व्यापारी से बदमाशों ने रास्ते में चाकू से हमला कर पैसे लूटे

हटा। थाना अंतर्गत रुसल्ली रोड पर शनिवार की दोपहर मोटरसाइकिल से कपड़े बेचकर घर लौट रहे एक व्यापारी के साथ सुनसान रास्ते में चार बदमाशों ने रास्ता रोककर चाकुओं से हमला कर पैसे लूटकर फरार हो गए। घटना उपरांत पीड़ित ने हटा पुलिस थाना पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी दी जहां पुलिस ने तुरंत सक्रियता के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल शुरू की। जानकारी के अनुसार ककराई नवोदय वार्ड प्रिंस पिता बिहारी साहू (भाटिया वाले) ने बताया कि अपनी मोटरसाइकिल से शनिवार की दोपहर ग्राम सोजना रुसल्ली से कपड़े बेचकर हटा घर वापस आ रही थी तभी रुसल्ली हटा मार्ग पर चार लड़के एक मोटरसाइकिल पर आ रहे जिन्होंने सामने गाड़ी रोककर चाकू से पीठ वह हाथ पर बार कर दिए और करीब चार से पांच हजार रुपए और मोबाइल छीनकर भाग गए। पीड़ित प्रिंस साहू ने घटना की जानकारी परिजनों को दी और इसके उपरांत हटा थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए टीआई सुधीर बेगी के निर्देशन में उपनिरीक्षक नरेंद्र तिवारी प्रधान आरक्षक महेंद्र रैकवार, तुलसीराम पटेल ने घटना स्थल पर पहुंचकर रुसल्ली सोजना कुडई ग्राम में पहुंचकर सूक्ष्मदर्शी बदमाशों की तलाश की जा रही है पुलिस का कहना है कि शीघ्र ही घटना कारित करने वाले आरोपीयों को गिरफ्तार किया जावेगा।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर महिलाओं ने निकाली रैली

हटा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गायत्री शक्तिपीठ से महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रातः 8 बजे से नगर में एक रैली निकाली गई यह रैली शक्तिपीठ से पेट्रोल पंप, शिव शक्ति मंदिर, जवाहर वार्ड से होती हुई शक्तिपीठ में समाप्त हुई। रैली में पीत वस्त्र धारी बहनें विश्व तंबाकू दिवस का फ्लेक्स लिए हुए थी। सभी महिलाएं तंबाकू विरोधी स्लोगन की तख्ती लिए हुए नशा मुक्त आदर्श परिवार बनाने हेतु नशा नाश का दूज नाम तन मन धन तीनों बेकाम ,मान मिटा संपत्ति नशानी नशेबाज की यही कहानी, यदि चाहो सुख चैन से जीना कसम उठाओ नशा न पीना, मदिरा पीने में क्या शान, गली गली होता अपमान इत्यादि प्रेरणादायक नारे लगाते हुए चल रही थीं । संगीत की टोली में एम पी बाथरे द्वारा नशा न पीना प्रज्ञा गीत प्रस्तुत किया गया जिसे सभी ने सराहा । पंडित रामकिशोर दुबे द्वारा सभी से नशा छोड़ने का संकल्प करने का आवाहन किया। शक्तिपीठ में समापन अवसर पर जनपद अध्यक्ष गंगाराम पटेल ने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नगर वासियों से तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू से बने उत्पादों को छोड़ने का आवाहन किया। इस रैली का प्रतिनिधित्व संध्या सिंह राजपूत, लीला सिंह सिसोदिया, शीतल राजपूत, राधा राय, बड़ी बहू, मीना, रजनी दुबे, सविता साहू, रजनी दुबे, सुधा दुबे,चंदा बुंदेला,सुषमा पटेल आदि अनेक बहनों ने किया।इस अवसर पर अशोक चंपी चौरसिया, दिलीप राय, मुन्ना पटेल, रमेश श्रीवास्तव की उपस्थिति रही।

इमलिया घोना में ओले से हुई क्षति का जायजा लेने पहुंचे राज्यमंत्री श्री पटेल

दमोह। प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल आज पथरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम इमलिया घोना पहुंचे। उन्होंने यहां पर वर्षा के साथ खेतों में ओले गिरने से बोई गई मूंग फसल क्षति का खेतों में पहुंचकर जायजा लिया, उन्होंने किसानों से कहा चिंता ना करें सरकार इस विपरीत घड़ी में आपके साथ हैं। राज्यमंत्री श्री पटेल ने राजस्व विभाग की टीम से कहा कि फसल का सर्वे कर फसल क्षति का मुआवजा किसानों को अति शीघ्र मुहैया कराया जाए। इस दौरान एसडीएम पथरिया निकेत चौरसिया ने कहा सर्वेदल का गठन कर लिया गया है, सर्वे कर प्रकरण बनाकर किसानों को फसल क्षति राशि मुहैया करा दी जाएगी। इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष खरगराम पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, तहसीलदार पथरिया दीपा चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

खनिज विभाग ने किया अवैध उत्खनन

परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कारवाई

दमोह। जिले मे कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशन मे खनिज विभाग द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कारवाई लगातार जारी हैं। इस सबंध में खनिज अधिकारी ने बताया तहसील हटा और बटियागढ क्षेत्र अन्तर्गत खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जांच खनिज विभाग द्वारा की गई। जांच के दौरान हटा तहसील अन्तर्गत ग्राम रनेह मे बस स्टैंड के पास बिना नम्बर के महिन्द्रा ट्रेक्टर द्वारा बिना रॉयल्टी के गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर ट्रेक्टर-ट्राली को जप्त कर पुलिस थाना रनेह मे खडा किया जाकर सुरक्षार्थ सुपुर्द किया गया हैं। तत्पश्चात बटियागढ तहसील अन्तर्गत ग्राम फुटेरा मे बिना नम्बर के आईशर ट्रेक्टर द्वारा रेत का अवैध परिवहन पाए जाने पर जप्त कर पुलिस चौकी फुटेरा मे सुरक्षार्थ खडा किया गया है। उन्होंने कहा उक्त दोनो प्रकरणो मे खनिज नियमों के तहत कारवाई प्रस्तावित कर प्रकरण कलेक्टर श्री यादव के समक्ष निराकरण हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। जिले मे खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कारवाई सतत जारी रहेगी।

लोक माता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301 वी जयन्ती हर्षोल्लास से संपन्न

पथरिया। लोक माता अहिल्याबाई होल्कर की 301 वी जयंती हर्षोल्लासपूर्वक कुंजीलाल पाली अध्यक्ष के निवास स्थान पर सुंदरलाल विश्वकर्मा मुख्य अतिथि, पुरुषोत्तम खटीक विशिष्ठ अतिथि, राम अवतार पाली पत्रकार की अध्यक्षता में उक्त कार्यक्रम हुआ,कार्यक्रम में सर्वप्रथम लोकमाता देवी अहिल्याबाई के चित्र पर माल्यार्पण,चंदन, तिलक, दीपप्रज्ज्वलित कर देवी अहिल्या स्वरूपा कन्याओं का तिलक वंदन व चरण पखार कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं द्वारा मां देवी अहिल्याबाई के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर सारगर्भित विचार रखे, साथ ही उनके कृतित्व का अपने जीवन में उतार कर समाज उत्थान व विकास का संकल्प लिया। मुख्यातिथि सुंदरलाल विश्वकर्मा द्वारा पाल समाज के आराध्य लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगर में भव्य प्रतिमा पार्क सहित स्थापित कराना साथ ही पाल समाज की सामाजिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संपन्न कराने के आधुनिक संसाधन युक्त उचित जगह का चयन कर शीघ्र सभा भवन (सामुदायिक भवन) निर्माण कराएंगे। कार्यक्रम का संचालन दीनदयाल पाली द्वारा व आभार प्रदर्शन महेंद्र पाली द्वारा किया गया, साथ ही समाज सुधार हेतु सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लिया गया जैसे बाल विवाह पर रोक लगाने, मृत्युभोज को सीमित साधनों में कराना/बंद कराना, शिक्षा पर जोर देना, खर्चीली शादियों पर विराम लगाना, पर्यावरण को बढ़ावा देना जैसे वृक्षारोपण करना, प्लास्टिक उपयोग पर रोक लगाना, समाज की राजनीतिक भागीदारी हेतु प्रयास करना आदि।
कार्यक्रम में मुख्य रूप से तीरन पाल, करोड़ी पाल, रामदयाल पाल, मोहन सिंह पाल बोतराई लखन पाल,उत्तम पाल,देवेंद्र पाल,आर्यन पाली, केशवराम पाली, मनोज नामदेव,लल्लूराम पाल, मदन पाल, सरोजरानी पाली, गायत्री पाली, दिव्या पाली, दीप्ति, रमा पाली, काशीबाई पाली, सेल्वेंद्र, रुद्रयांश, यादवेंद्र, तेजस्विनी पाली आदि की उपस्थिति सराहनीय रही।

दमोह में फर्जी डॉक्टर भर्ती घोटाले का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

दमोह। थाना कोतवाली पुलिस ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित संजीवनी क्लीनिक में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर डॉक्टरों की भर्ती कराने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन लग्जरी कारें और 5,36,900 नकद सहित लगभग 45 लाख की संपत्ति जब्त की है।

पुलिस के अनुसार सीएमएचओ कार्यालय से प्राप्त जांच प्रतिवेदन के आधार पर संजीवनी क्लीनिक, दमोह में नियुक्ति के लिए फर्जी एमबीबीएस डिग्री, मेडिकल काउंसिल पंजीयन प्रमाण पत्र एवं अन्य शैक्षणिक दस्तावेज प्रस्तुत कर नियुक्ति प्राप्त करने का मामला सामने आया था। इस संबंध में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 479/26 एवं 480/26 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।जांच के दौरान पुलिस ने भोपाल निवासी हीरा सिंह कौशल (44 वर्ष) तथा आदिल सिद्दीकी (37 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने फर्जीवाड़े से अर्जित राशि से वाहन खरीदे थे। पुलिस ने एक थार, एक आई-20 कार, एक स्कॉर्पियो तथा 5,36,900 नकद जब्त किए हैं।इससे पहले मामले में फर्जी डॉक्टर सचिन यादव, राजपाल गौर और अजय मौर्य को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण में शामिल अन्य फर्जी डॉक्टरों एवं सहयोगियों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष कुमार एवं उनकी टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।